

आजु देस अउर दुनिया के कई हिस्सन में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनावल जा रहल हौ। येही क्रम में देस क राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आजु देहरादून में पुलिस लाइन में आयोजित योग सिविर क हिस्सा बनलिन। उहां के कहलीं कि वैश्विक समुदाय अब योग के प्रति बेसी सम्मान रखे ला अउर महाद्वीपन क लोगि एहसे लाभ उठा रहल हवें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम में ग्यारहवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह क अगुआई करत विश्व समुदाय से योग दिवस के मानवता बदे योग टू प्वाइंट ओ क सुरुआति के रूप में मनवले क बिसेस आवाहन कइलें, जहवां आंतरिक सान्ति आ वैश्विक नीति बनें। उहां के कहलीं कि विश्व के कई हिस्सन में तनाव, असान्ति अउर अस्थिरता क हालति हौ, अइसन में योग सान्ति क राहि देखावे ला।

योग से हमें शांति की दिशा मिलती है। मैं विश्व समुदाय से आज के इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक आग्रह करूंगा। लेट दिस योगा डे मार्क द बिगनिंग ऑफ योगा फॉर ह्यूमनिटी टू प्वाइंट ओ, वेन इनर पीस बिगेन ग्लोबल पॉलिसी।

आधुनिक सोधन के जरिया से योग क विज्ञान के वैश्विक स्तर पर मजबूत कइले के भारत के कोसिस पर रोसनी डारत प्रधानमंत्री कहलें कि देस क प्रमुख चिकित्सा संस्थान योग अनुसंधान में सक्रिय रूप से लागल हवें, जेकर उद्देश्य समकालीन चिकित्सा पद्धतियन में एकर वैज्ञानिक प्रासंगिकता बनावल हौ।

सूचना अउर प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन कहलें कि प्रधानमंत्री के कोसिस से योग के संयुक्त राष्ट्र के ओरि से मान्यता मिलल हौ। चेन्नई के राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान में योग सत्र के बादे मीडिया से बतियावत डॉक्टर मुरुगन कहलें कि आजु दुनिया भर के एक सौ पचीस देसन में योग कइल जाला।

देस भर में कई गो केन्द्रीय मंत्री आ अउरियो गणमान्य लोगि योग कइ के निरोग रहले क सनेसा दिहलें।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौका पर प्रदेशो के सज्जो जिलन में उछाह के साथे योगाभ्यास क कार्यक्रम आयोजित कइल गइल अउर योग के महातम पर चरचा करत एके दिनचर्या क हिस्सा बनवले पर जोर दीहल गइल। केन्द्र सरकार अउर प्रदेश सरकार क मंत्री आ देस अउर प्रदेश क जानल-मानल लोगि अलगि-अलगि कार्यक्रमन में योगाभ्यास क हिस्सा बनलें। प्रदेश क मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में आजु भिन्हीं योगाभ्यास कइलें। एहसे पहिले उहां के योग के महातम पर रोसनी डरलीं। मुख्यमंत्री योग के भारतीय ऋषि परम्परा क एगो अइसन यंत्र बतवलें जवन काया के स्वस्थ कइले के सथहीं मस्तिस्क के स्वस्थ बनावे ला।

योग भारत योग की ऋषि परंपरा का एक ऐसा हम सब के लिए एक मंत्र है जो स्वस्थ काया के साथ साथ हमको एक स्वस्थ मस्तिष्क भी उपलब्ध करवाता है भारतीय मनीषा ने योग के बारे में प्राचीनकाल से ही इसके महत्व के बारे में हम सभी को वह विस्तृत रूप से अवगत कराया था और वैसे भारतीय मनीषा का ये मानना रहा है की शरीर माध्यम स्थलों धर्म साधनम यानी जितनी भी धर्म के साधन है धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष इन सबकी प्राप्ति एक स्वस्थ शरीर से ही की जा सकती है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल राजभवन में योगाभ्यास कइ के लोगिन के योग से जुड़े बदे प्रेरित कइलिन। प्रदेश क उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक आजु लखनऊ के रेजिडेंसी में योगाभ्यास कइलें। येह मौका पर उहां के लोगिन क आवाहन कइलीं कि ऊ सबके योग के अपनावे बदे प्रोत्साहित करें, जेहसे एगो स्वस्थ उत्तर प्रदेश क निरमाण हो सके।

आवे वाला छब्बीस जून के मोहर्रम क चांद देखले के सथहीं सत्ताइस चाहे अट्ठाइस जून से नया इस्लामिक बरिस क सुरुआति हो जाई। ई जनकारी गोरखपुर में सब्जपोस हाउस मस्जिद जाफरा बजारि क इमाम हाफिज रहमत अली निजामी दिहलें। उहां के बतवलीं कि मोहर्रम क चांद के सथहीं चउदह सौ सैंतालीस हिजरी क आगाज होई। यौमे आशूरा यानी दसवीं मोहर्रम छौ चाहे सात जुलाई के परी।

प्रदेश के सज्जो पूरबी जिलन में मानसून सक्रिय हो गइल हौ। गोरखपुर अउर एकरे लग्गे के जिलन में बादर छवले रहले अउर रुकि-रुकि के बरखा भइले क सिलसिला जारी हौ। बरखा के नाते तापमान में गिरावट दरज कइल गइल हौ अउर लोगिन के गरमी से राहति मिलल हौ। मौसम विभाग के मोताबिक बरखा क अनुकूल वायुमण्डलीय परिस्थिति बनल हौ, जेकरे नाते अगिला एक हप्ता ले गरज-चमकि के साथे बरखा भइले क सिलसिला जारी रहले क असार हौ। कुछ जगहिनि पर हल्लुक से मध्यम त कुछ जगहिनि पर मध्यम से भारी बरखा भइले क पूर्वानुमान मौसम विभाग जतवले हौ।
